सप्तम माला, खंड 22, अंक 13, बुद्धवार, 9 दिसम्बर 1981/18 अग्रहायण 1903 (शक)

लोक-सभा वाद-विवाद

हिन्दी संस्करण

[सातवां सत्र]

[खंड 22 में अंक 11 से 20 तक हैं]

लोक सभा सचिवालय

नई दिल्ली

मूल्य चार रुपये

विषय सूची

अंक 13 बुधवार, 9 दिसम्बर, 1981/18 अग्रहायण, 1903 (शक)

विषय

पृष्ट

निधन सम्बन्धी उल्लेख 1—2

लोक सभा

बुधवार, 9 दिसम्बर, 1981/18 अग्रहायण, 1903 (शक)

लोक सभा ग्यारह बजे समवेत हुई ।

(अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुये)

निधन सम्बन्धी उल्लेख

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य गण, सभा को वर्तमान सदस्य तथा संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री कार्तिक उरांव के दुःखद एवं आकस्मिक निधन की जानकारी पहले से ही है। मैं सभा को जम्मू और काश्मीर राज्य के बारामूला निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित इस सभा के वर्तमान सदस्य श्री मुबारक शाह के दुःखद निधन की भी सूचना देता हूं ।

कल जब श्री कार्तिक उरांव संसद भवन आये थे तब उन्हें दिल का भारी दौरा पड़ा था और तुरन्त डाक्टर राममनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया जहां थोड़ी देर बाद ही उनका स्वर्गवास हो गया। उनकी आयु 57 वर्ष थी।

श्री उरांव लोक सभा में बिहार के लोहारडगा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे। जनवरी, 1980 में उन्हें केन्द्र में पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री नियुक्त किया गया था। बाद में वह संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री बने।

उन्होंने अपना जीवन 1950 में बिहार सरकार में एक इंजीनियर के रूप में शुरू किया था और तरक्की करते-करते वह हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड, रांची में स्ट्रक्चरल डिजाइन आफिस के अध्यक्ष बन गए ।

1967-77 के दौरान श्री उरांव चौथी और पांचवीं लोक सभा के सदस्य रहे। 1977-80 के दौरान वह बिहार विधान सभा के सदस्य रहे। एक सक्रिय सांसद होने के साथ-साथ उन्होंने 1968-70 में लोक सभा की प्राक्कलन समिति के सदस्य के रूप में तथा 1973-75 में अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के कल्याण सम्बन्धी समिति के सदस्य के रूप में भी कार्य किया।

वह अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के कल्याण में कार्यरत अनेक शिक्षा संस्थाओं और संगठनों से संबद्ध थे। वह 1972-77 के दौरान भारत सरकार की भारतीय लाख विकास परिषद् के अध्यक्ष रहे ।

एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता के साथ-साथ उनकी पिछड़े वर्गों, विशेषकर अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए संगठनात्मक कार्य, जनजातीय धर्म के पुनरूत्थान और उनको समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाने में गहरी रूचि थी।

श्री मुबारक शाह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में इलाज करा रहे थे जहां लम्बी बीमारी के बाद कल शाम को उनका निधन हो गया। वह 59 वर्ष के थे।

लोक सभा में आने से पूर्व वह जम्मू और काश्मीर संविधान सभा के और 1956 में तथा पुनः 1973-76 में जम्मू और काश्मीर विधान सभा के सदस्य रहे। 1978-80 में वह राज्य सभा के भी सदस्य रहे। 1950-53 तथा 1972-75 में वह जम्मू और काश्मीर सरकार में मन्त्री रहे और उनके पास वित्त, सहकारिता, कृषि, राजस्व, स्वास्थ्य आदि विभाग थे। 1976 में वह सूडान में राजदूत रहे।

उन्होंने स्वतन्त्रता आन्दोलन में भाग लिया और जेल गए।

एक विख्यात समाज सेवक होने के साथ-साथ उन्होंने जम्मू और काश्मीर राज्य में आर्थिक जीवन के पुनर्निर्माण के लिए सहकारी समितियों का जाल बिछाया।

उन्होंने संसदीय कार्यवाहियों, विशेषकर विदेशी मामलों और कृषकों तथा उद्यान-विशेषज्ञों की समस्याओं में तीव्र रूचि ली।

हम इन मित्रों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं और मुझे विश्वास है कि सभा शोक संतप्त परिवारों को अपनी संवेदना व्यक्त करने में मेरे साथ है।

सभा दिवंगत आत्माओं के प्रति सम्मानस्वरूप थोड़ी देर के लिए मौन खड़ी होगी।

(तत्पश्चात् सदस्य थोड़ी देर के लिए मौन खड़े हुए)

अध्यक्ष महोदय : सभा कल 11 बजे म०पू० पुनः समवेत होने के लिए अब सम्मानस्वरूप स्थगित होती है।

11.04) तत्पश्चात् लोक सभा गुरुवार, 10 दिसम्बर, 1981/19 अग्रहायण, 1903 म० पू० शक के ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित हुई।